प्रेथक,

हरिश्चन जोशी, सविद, उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

भायुवत, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तरांचल, देशस्त्रा

नाय एवं नागरिक आएति अनुसान-।

देहरादूनः दिनांकः ० श्रु आगस्त, २००६

विषयः जनपद दिहरी जन्माल में पूर्ति निरीक्षक, रेलशीर्ष कार्यायल हेतु स्थान वालवाला, दिहरी गढवाल में स्थापित अवन को विभागीय किरायेदारी में लिये जाने के कांध में।

गहोदय,

उपर्युक्त विषय अपने पत्र संख्याः 134/300800/245/2006, दिनॉकः 06.06.2006 के संदर्भ में मुस् वात करने का निर्देश हुआ है कि जनपद दिहरी गढ़वाल में अवन स्वामी, श्री उत्तम चन्द्र स्मोला पुत्र श्री भूरया चन्द्र जोला, जन-दालवाला, पे 0 मुनि की देती जनपद दिहरी गढ़वाल के भवन को जिलाविकारी, दिहरी गढ़वाल द्वारा दिवे गये औवित्य प्रमाण पत्र के आपाद पर किराये पर लिये को की तिथि अर्थात् दिनांक 01 जून, 2002 से दिनॉकः 31 मार्च, 2007 तक के अवशेष किराया धनसीश लपने 600.00 (क0 क सी मात्र) प्रति माह के अनुसार विजत मार्डी का मुगतान करते हुए किराये पर लिए जाने की श्री उन्यायल सहबं स्वीकृति प्रदान करते हैं। भवन स्वामी को किराया मुगतान करते समय उवत अर्थाय में किराये के रूप में मुगतान की गयी धनसांश का समायोजन अवश्य कर लिया जाये।

 प्रश्नगत प्रकरण हेतु स्वीवृत की गदी धनराति उसी प्रयोजन पर व्यय की नायेगी। जिसके निमित विसीय स्वीकृति निर्गत की जा रही है और इसका उपयोग किसी अन्य मद में कदापि नहीं किया जायेगा।

3. इस बनराशि का भुगतान करने से पूर्व बाद कोई बनराशि किराये के रूप में पहले भुगतान की जा चुकी हो

तो उसे अब भुगतान की जाने वाली धनराशि में समादोजित कर लिया जावेगा।

4. भवन स्वामी के नव्य किये अर्थ अनुबंध के आबार पर उच्च भवन को किराये पर लिये नाने की तिथि से आगामी 05 वर्ष की उची। अववा विमाग की अपने भवन की व्यवस्था हो जाने तक, जो भी पहले हो के अनुसार यह अनुबन्ध कर लिया जाये जिसमें यह व्यवस्था रहेगी कि बड़ी हुई दर की तिथि से पाँच वर्ष तक किराए में दृष्टि वहीं की नायेगी।

5. उपर्युक्त धनराशि हा भुगतान विलीव हस्त पुरितका सण्ड-2, भाग-5 के अन्तर्गत नियम-74 के अनुसार

प्री-आहिट आदि की कार्यकरी पूर्ण किये जाने के पश्चात् है दिया जायेगा।

6. इस संबंध में होने वाला ध्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-25 के लेखाशीर्षक-2408- उत्तव भण्डारण तथा भण्डाम रच-आयोजनेत्वर-01-उत्तव-001-विदेशन तथा प्रशासन-03-अधिष्यन व्यय (खाद्य एवं पूर्ति)-00-17 किराया, उपसुक्त एवं कर स्वामित्व के नाने हाला जायेमा तथा आवंदित धनराशि से वहन किया जायेगा।

7. यह आदेश विता विभाग के अशासकीय संख्याः ४४४/विता अनु०-५, दिनॉकः २८ जुलाई, २००६ में प्राप्त उनकी सहमति से बिर्गत किये जा रहे हैं।

> भवदीय, (हरिश्वन्द्र जोशी) सिवेव।

संख्याः (1)/XIX/06-192/2004, तद्दिनॉक।

प्रीधिलिपि- जिम्बलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल ओबराय भवन, भाजस, देहरादून।

2. सहायक आयुक्त, खाद्य गढवाल संभाग, देहरादूब।

जिलाधिकारी/जिलापूर्ति अधिकारी, दिहरी बढ्याल।

विता निर्देशक, खाद एवं सागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तरंदल देहरादून।

आतरण एवं वितरण अविकारी, गठनाल तंभाग,

विता अनुभाव-5

्र निदेशक, एव०आई०औ०, सविवालय परिसर, देहरादून।

 श्री उस्तम चन्द्र रहोता पुत्र श्री भूरया चन्द्र रहोता, ग्राम-दालवाला, पो० मुनि की रेती जनपद दिए। गढवाल ।

9. गार्ड काईल।

आज्ञा से, (एम०सी०स्रोती) अपर राचित्।